हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 112 जौनपुर, बुधवार 17 जनवरी 2024 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

योगी ने अधिकारियों को दिए निर्देश,बोले, बख्शे न जाएं जबरन जमीन कब्जाने वाले आरोपी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यानी मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार लगाया। इस दौरान उन्होंने जनता दर्शन में आएं सभी फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भू माफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सरकार का संकल्प है कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया

जाएगा। बता दें कि गोरखपुर मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। कुछ लोगों ने भू माफिया द्वारा जमीन कब्जा करने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भू माफिया को करारा सबक सिखाया जाएगा। उनके रहते कोई भी किसी कमजोर या गरीब को उजाड़ नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जबरन जमीन कब्जा करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई करें। सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग, माफिया, अपराधी किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

अब भारत को दुनिया में मजबूत और शक्तिशाली देश माना जाता है : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

एजेन्सी

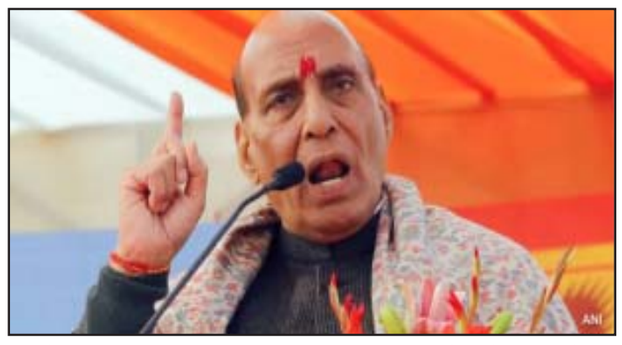

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि पिछले 9 वर्षों में यह धारणा बदल गई है कि भारत एक कमजोर देश है और अब इसे मजबूत तथा शक्तिशाली देश माना जाता है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। अपने निर्वाचन क्षेत्र में ''विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि देश के बाहर यह धारणा कि भारत कमजोर है, अब बदल चुकी है। उन्होंने कहा, ''अब कोई भी भारत को कमजोर नहीं मानता।

अब हमें मजबूत और शक्तिशाली देश के रूप में देखा जाता है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। उन्होंने कहा, ''जब देश और देशवासी मजबूत होंगे तो दुनिया की कोई भी ताकत हमें आंख दिखाने की हिम्मत नहीं कर सकती। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहली बार है जब कोई सरकार लोगों के घर–घर पहुंचकर उन्हें कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर रही है।

उन्होंने कहा कि, ''अगर किसी पात्र को योजनाओं का लाभ नहीं मिलता तो हमारे प्रधानमंत्री चिंतित हो जाते हैं। वह हमसे यह सुनिश्चित करने के लिए कहते हैं कि हमारे निर्वाचन क्षेत्रों में लाभार्थियों तक योजनाएं पहुंचनी चाहिए।श उन्होंने कहा कि जब मोदी प्रधानमंत्री बने तो भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में 10वें स्थान पर थी और अब पांचवें स्थान पर है। राजधानी के सांसद ने कहा, ''अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह मोदी का करिश्मा है।

भाजपा-आरएसएस के अन्याय के विरुद्ध है कांग्रेस की न्याय यात्रा : राहुल

एजेन्सी

कोहिमा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की सरकार में देश की जनता के साथ अन्याय हो रहा है,इसलिए वह लोगों को न्याय दिलाने के लिए 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरू कर रहे हैं। श्री गांधी ने आज यात्रा के तीसरे दिन आयोजित संवाददाता में कहा कि भाजपा और आरएसएस की अन्य के कारण नफरत बढ़ रही है चुनिंदा लोगों को फायदा दिया जा रहा है और लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाली थी जो सफल रही है और अब जनता की पीड़ा को देखते हुए भारत जोडो न्याय यात्रा निकाली गयी है। श्री गांधी ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को एक वैचारिक यात्रा बताया और कहा कि यह यात्रा एक विचारधारा द्वारा किए जा रही सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक अन्याय के खिलाफ है और इस यात्रा से जनता को न्याय दिलाना ही उनकी यात्रा का लक्ष्य है।उन्होंने कहा कि वह 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को भी पहले की भारत जोड़ो यात्रा की तरह पैदल पूरा करना चाहते थे लेकिन चुनाव सामने है और समय की दिक्कत है इसलिए यह यात्रा हाइब्रिड यात्रा होगी

श्री गांधी ने कहा कि उन्होंने मणिपुर से यात्रा शुरू करने का फैसला इसलिए लिया कि इस राज्य के लोग संकट में हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह मणिपुर नहीं आ रहे हैं। मणिपुर में लोग किस हाल में है,उनके इस दर्द को उन्होंने लोगों से मिलकर महसूस किया है।

ईडी ने धनशोधन के मामले में पूर्व कांग्रेस मंत्री से जुड़े परिसरों पर की छापेमारी

एजेन्सी

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जल जीवन मिशन में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में राजस्थान के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक (पीएचई) विभाग के पूर्व मंत्री महेश जोशी और कुछ अन्य लोगों से जुड़े परिसरों पर मंगलवार को छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। पिछले साल भी एजेंसी ने केंद्र सरकार की योजना से जुड़े इस मामले में कम से कम दो बार छापेमारी की थी। सूत्रों ने बताया कि पीएचई विभाग के पूर्व मंत्री जोशी से जुड़े परिसरों की धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली जा रही है। राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जोशी को जयपुर की

हवामहल सीट से चुनाव लड़ने के लिए टिकट देने से इनकार कर दिया था। ईडी ने पिछले साल जयपुर और दौसा में कुछ अन्य लोगों के अलावा पीएचई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी एवं तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल के आवासीय और आधिकारिक परिसरों पर छापेमारी की थी। इससे पहले एजेंसी ने दावा किया था कि कई बिचौलियों और प्रॉपर्टी डीलर ने जल जीवन मिशन से अवैध रूप से अर्जित धन की हेराफेरी के लिए राजस्थान सरकार के पीएचई विभाग के अधिकारियों की मदद की थी। एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया था कि जांच में पाया गया कि ठेकेदारों ने इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) द्वारा जारी कथित फर्जी कार्य समापन प्रमाणपत्रों के आधार पर और पीएचई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को रिश्वत देकर जल जीवन मिशन के कार्यों से संबंधित निविदाएं हासिल की थीं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने यह आरोप लगाया था। केंद्रीय एजेंसियां विपक्षी नेताओं और कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को निशाना बनाने के लिए केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के इशारे पर काम कर रही है। वर्ष 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत हासिल की थी। धनशोधन का यह मामला राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ओर से दर्ज प्राथमिकी से संबद्ध है, जिसमें आरोप है कि श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी के मालिक पदमचंद जैन, श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक महेश मित्तल और अन्य लोग पीएचई विभाग से प्राप्त विभिन्न निविदाओं के तहत उनके द्वारा किए गए कार्यों में अनियमितताओं को छिपाने, अवैध संरक्षण हासिल करने, निविदाएं हासिल करने और बिल मंजूर कराने के लिए लोकसेवक को रिश्वत देने में शामिल थे। केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए जल जीवन मिशन का उद्देश्य घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से साफ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है तथा राजस्थान में इस योजना पर काम राज्य के पीएचई विभाग द्वारा किया जा रहा है।

तमिलनाडु की महिला ने स्कूल के लिए जमीन दान की, गणतंत्र दिवस पर सम्मानित किया जाएगा

एजेन्सी

चेन्नई। स्कूल के विकास के लिए जमीन दान करने वाली 52 वर्षीय महिला को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। महिला ने उस स्कूल में पढ़ाई भी की थी। मदुरै जिले की रहने वाली और बैंकर के तौर पर कार्यरत आई अम्मल उर्फ पूरनम को गणतंत्र दिवस पर मेडल से सम्मानित किया जाएगा। पूरनम ने पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल, कोडिकुलम, मदुरै को स्कूल को हाई स्कूल बनाने के लिए एक एकड़ से अधिक जमीन दान में दी। इस जमीन की कीमत लगभग 7 करोड़ रुपये आंकी गई है

और यह वर्तमान स्कूल भवन के नजदीक है। केनरा बैंक में काम करने वाली 52 वर्षीय महिला ने यह घोषणा अपनी दिवंगत बेटी यू.जननी की याद में की है, जिनका कुछ साल पहले निधन हो गया था। यह खबर तब सामने आई, जब उन्होंने जमीन की रजिस्ट्री स्कूल के नाम पर कर दी और जमीन के दस्तावेज शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सौंप दिए। एक्स पर इसकी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, "शिक्षा ही वास्तविक, अविनाशी धन है। मदुरै के कोडिकुलम की आई अम्मल उर्फ पूरनम ने सरकारी स्कूल के लिए एक अतिरिक्त भवन बनाने के लिए अपनी एक एकड़ और 52 सेंट जमीन दान में दी है। आई अम्मल दिखाती है कि तमिल लोग शिक्षा और शिक्षण को कितना महत्व देते हैं, और उन्हें आगामी गणतंत्र दिवस पर सरकार की ओर से विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। पूर्णम की बेटी जननी, जिनका दो साल पहले निधन हो गया था, एक सामाजिक कार्यकर्ता थीं और वंचित बच्चों के शैक्षिक उत्थान के लिए काम कर रही थीं। पूर्णम की सरकार से एक ही मांग है कि अपग्रेड स्कूल का नाम उनकी बेटी के नाम पर रखा जाए।

हिमाचल प्रदेश: शिक्षकों ने 26 जनवरी से भूख हड़ताल की दी चेतावनी

एजेन्सी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा नियुक्त शिक्षकों ने कहा कि अगर 25 जनवरी तक उन्हें नियमित नहीं किया गया तो वे अपनी मांगों को लेकर 26 जनवरी से भूख हड़ताल शुरू करेंगे। स्कूल प्रबंधन समितियों के शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुनील ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे लंबे समय से सेवाओं को नियमित करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने अपनी मांग को लेकर दबाव बनाने के लिए पिछले साल अक्टूबर में हिमाचल प्रदेश सचिवालय के परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन भी किया था।

कूनो नेशनल पार्क में एक और चीता की मौत, अब तक 10 चीतों ने तोड़ा दम

एजेन्सी

श्योपुर। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में एक बार फिर से बुरी खबर सामने आई है। नामीबिया से लाए एक और चीते ने दम तोड़ दिया है। कूनो नेशनल पार्क में शौर्य नामक नर चीता की मौत हो गई है। शौर्य के मौत के कारण का पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम के बाद ही असली कारणों का पता चल पाएगा। कूनो नेशनल पार्क में अब तक 10 चीतों की मौत हो चुकी है। बता दें कि प्रोजेक्ट चीता के तहत सितंबर 2022 में आठ चीतों का नामीबिया से और फरवरी 2023 में 12 चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था। इससे पहले आखिरी बार कूनो में अगस्त में चीता की मौत हुई थी। उसके छह महीने बाद अब यह बुरी खबर आई है। वन विभाग के एपीसीसीएफ और डायरेक्टर लॉयन

प्रोजेक्ट प्रेस नोट के जारी किया जिसमें बताया गया कि मंगलवार सुबह करीब 11 बजे नामीबिया से आया चीता अचेत अवस्था में मिला था। मॉनिटरिंग टीम तत्काल हरकत में आई। उसे ट्रैंकुलाइज किया गया। कुछ देर के लिए तो उसे होश आया लेकिन कमजोरी बहुत अधिक थी। रिवाइवल के बाद भी कुछ जटिलताएं उभर आई और उसने सीपीआर को रिस्पॉन्ड करना बंद कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। आपको बता दें कि कूनो नेशनल पार्क में शौर्य की मौत के बाद अब कुल चीतों की संख्या घटकर 14 हो गई है। इनमें चार शावक शामिल है। इसी महीने नामीबिया से लाई गई मादा चीता आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया था। इससे पहले मार्च 2023 में भी एक मादा चीता ने चार शावकों को जन्म दिया था। हालांकि उनमें से तीन ने दम तोड़ दिया था।

ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, सुप्रीम कोर्ट ने दी सीलबंद क्षेत्र की पानी टंकी सफाई की अनुमति

एजेन्सी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने विवादित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के सीलबंद क्षेत्र की पानी टंकी की सफाई के लिए वाराणसी जिला मजिस्ट्रेट को निर्देश देने की कुछ हिंदू महिलाओं की एक याचिका मंगलवार को स्वीकार कर ली। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका स्वीकार की। पीठ ने मुस्लिम पक्ष की इस दलील को संज्ञान में लिया कि उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। मुस्लिम पक्ष के वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी ने पीठ के समक्ष कहा कि उनके मुवक्किल को पानी टंकी की सफाई को लेकर कोई आपत्ति नहीं है। प्रशासन को सफाई करने दें। इसके बाद पीठ ने निर्देश दिया कि पानी की टंकी की सफाई इस अदालत के पिछले आदेशों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन वाराणसी की देखरेख में की जानी चाहिए। इस मामले में दाखिल याचिका में अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने महिलाओं की ओर से अदालत से गुहार लगाते हुए कहा कि 16 मई 2022 को सर्वे होने के बाद पानी की टंकी की सफाई नहीं हुई है। याचिका में कहा गया, पानी की टंकी में मछलियाँ 20.12.2023 और 25.12.2023 के बीच मर गई हैं। इसी वजह से टंकी से दुर्गंध आ रही है।श याचिका में यह भी आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता अंजुमन इंतेजामिया मछलियों की उस स्थिति के लिए जम्मिदार है, जिसके कारण उनकी मृत्यु हुई है। याचिका में कहा गया, श्यदि वाराणसी जिला मजिस्ट्रेट के अनुरोध के अनुसार मछली को स्थानांतरित कर दिया गया ।

रक्षामंत्री ने की लाभार्थियों से बातचीत,विकसित भारत संकल्प यात्रा में हुए शामिल

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में चलाए जा रहे षविकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के अंतर्गत आज पुरानिया और इंदिरा नगर में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की चाभी, गैस कनेक्शन और चेक भी वितरित किया। वही कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, महापौर सुषमा खर्कवाल, मुकेश शर्मा, विधायक डॉ नीरज बोरा सहित सरकारी योजनाओं में पंजीकरण कराने पहुंचे बड़ी संख्या में उपस्थित लाभार्थी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि बीजेपी के अलावा किसी भी सरकार ने आजादी के बाद से जनता को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए इतने बड़े कदम नहीं उठाए हैं। पीएम मोदी का संकल्प समाज के सबसे कमजोर वर्ग का उत्थान करना है। पहले भारत के बारे में धारणा थी कि यह एक कमजोर देश है, गरीबों का देश है, लेकिन आज आप किसी भी देश में चले जाइए, भारत को कमजोर देश के रूप में नहीं देखा जाता बल्कि आज भारत को एक मजबूत और शक्तिशाली देश के रूप में देखा जाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर पूरे देश में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' चल रही है। इस यात्रा के माध्यम से योजनाओं का लाभ उन सभी जरूरतमंद लोगों तक पहुँच रहा है, जो अभी तक इनका लाभ उठाने से वंचित रह गये थे। लखनऊ में भी इसका पूरा प्रयास किया जा रहा है कि कोई भी परिवार जो पात्र है वह योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि मोदी जी की गारंटी वाली गाड़ी आपके दरवाजे पर आ रही है सभी लाभार्थी भाई बहनों का हृदय से अभिनंदन करता हूं उनका आभार प्रकट करता हूं कि आप सब ने यहां पर उपस्थित होकर मोदी जी की गारंटी वाली गाड़ी का जो स्वागत किया। मैं आपका हृदय से अभिनंदन करता हूं। हम सब जानते हैं 2014 से लेकर अब तक प्रधानमंत्री मोदी जी की गरीब कल्याण योजनाओं ने भारतवर्ष के एक–एक नागरिक के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सफलता प्राप्त की है, चाहे सबको पक्का मकान मिलने का मामला हो, सबको शौचालय मिलने का मामला हो,हमारी बहनें गांवों में कस्बों में हजारों सिगरेट बीड़ी का धुआं उनके फेफड़ों में जाता था।

सम्पादकीय

हाथी की सीधी चाल

मायावती ने आगामी लोकसभा चुनावों में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा करके भले ही विपक्षी इंडिया गठबंधन को चौंकाया हो, लेकिन इस बात के कयास पहले ही लगाए जा रहे थे। हाल के दिनों में राजग की रीतियों–नीतियों को लेकर जिस तरह का उदार रवैया बसपा सुप्रीमो दिखा रही थीं, उससे भी ऐसे अंदाजे लगाए जा रहे थे। यहां तक कि पिछला लोकसभा चुनाव उन्होंने जिस सपा के साथ लड़ा था, उसके मुखिया को उन्होंने रंग बदलने वाला गिरगिट तक कह दिया। मायावती ने कहा कि जिन दलों के साथ बसपा ने पिछले चुनावों के दौरान गठबंधन किया था, उनके वोट बसपा को ट्रांसफर नहीं होते। बहरहाल, मायावती के एकला चलो के फैसले से इंडिया गठबंधन को झटका जरूर लगा है, खासकर देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी को आस थी कि मायावती विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनेंगी तो वोटों का बिखराव रोका जा सकेगा। खासकर दिल्ली की कुर्सी का रास्ता दिखाने वाले उत्तर प्रदेश में बढ़त लेने के लिये, जहां वंचित समाज में पार्टी की मजबूत पकड़ रही है। जहां तक मायावती के वोट ट्रांसफर न होने वाले आरोप का सवाल है तो अन्य विपक्षी दल इस आरोप से सहमत नहीं हैं। बहुजन समाज पार्टी ने उ.प्र. में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर 1993 व 2019 में विधानसभा व लोकसभा के चुनाव लड़े थे। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि वर्ष 1993 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और बसपा में वोट ट्रांसफर हुआ था। जिसके चलते राज्य में गठबंधन की सरकार बनी थी। हालांकि, वर्ष 2014 में सपा–बसपा अलग–अलग चुनाव लड़े थे, लेकिन वर्ष 2019 में दोनों साथ मिलकर लड़े। इससे दोनों दलों को फायदा हुआ। यहां तक कि बसपा को ज्यादा फायदा हुआ क्योंकि 2014 में भाजपा के राजनीतिक गणित से मात खाकर बसपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। जबकि गठबंधन के साथ बसपा 2019 में दस लोकसभा सीट पाने में सफल रही। हालांकि, सपा को ज्यादा लाभ नहीं हुआ, उसके खाते में सिर्फ पांच लोकसभा सीट ही आईं। बहरहाल, कतिपय राजनीतिक पंडित मानकर चल रहे हैं कि बसपा का अलग चुनाव लड़ने का निर्णय भाजपा को लाभ पहुंचाने वाला है। यह भी राजग की लिखी पटकथा का ही हिस्सा है। यहां तक कि सपा बसपा को भाजपा की बी टीम तक कहा करती थी। विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को सरकारी एजेंसियों के रडार में लाकर दुरूस्वप्न चित्रित किया जाता रहा है। यह भी तय है कि तमाम राजनीतिक दलों का अर्थशास्त्र पाक–साफ तो नहीं ही रहता है। जिसके चलते वे ईडी व अन्य वित्तीय एजेंसियों की संभावित कार्रवाई की आशंका में दबाब में आ जाती हैं। विपक्षी दल बसपा के राजग को परोक्ष रूप से लाभ पहुंचाने की रणनीति को इसी दृष्टि से देखते हैं। यही वजह है कि बसपा ने भी उन तीखे–तल्ख नारों से परहेज किया है जो अकसर वह सवर्णों को लेकर उछालती रही है। अब मनुवाद के नाम पर निशाने पर लेने का क्रम भी टूटा हुआ नजर आता है। कभी बसपा संस्थापक कांशीराम द्वारा बामसेफ व डीएस–4 जैसे संगठनों की स्थापना के बाद इसका राजनीतिक स्वरूप तय करने पर पार्टी के तेवरों में जो आक्रामकता होती थी, वह अब नदारद है। दरअसल, दलित–मुस्लिम गठजोड़ की वैचारिकी पर आधारित यह राजनीतिक दल कालांतर मुस्लिमों का भरोसा भी कायम न रख सका। एक समय पार्टी का उरोज इस कदर था कि 1987 के हरिद्वार लोकसभा उपचुनाव में दिग्गज दलित नेता राम विलास पासवान तक की जमानत जब्त हो गई थी। ये बसपा–सपा गठबंधन की ताकत थी कि 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिराये जाने के बाद चली राम लहर में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं मायावती का जनाधार अब इतना नहीं रह गया कि पार्टी किंग मेकर की भूमिका निभा सके। उसके परंपरागत जनाधार पर मोदी कैमिस्ट्री ने सेंध लगा दी है। बहरहाल, बसपा का अकेले चुनाव लड़ना भाजपा को रास आएगा क्योंकि इससे विपक्षी गठबंधन का जनाधार खिसकेगा। जिससे भाजपा की जीत की राह आसान हो सकती है।

आज का राशि फल

मेष :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें।

कन्या :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

तुला :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

वृश्चिक :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

अति राष्ट्रवादी टिप्पणियां द्विपक्षीय संबंधों के लिए अच्छी नहीं

अरुण कुमार श्रीवास्तव

भारत के सबसे कम लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक– लक्षद्वीप के रेतीले प्राचीन समुद्र तट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आनंदमय सैर पर बहुत कुछ हो गया। भारत के 1.4अरब लोगों के बीच रहने में खुशियां और जोखिम दोनों हैं। सबसे अधिक परेशान करने वाली समस्याओं में से एक जिसका अधिकांश भारतीयों को सामना करना पड़ता है वह है खौफनाक पड़ोसियों के बीच गोपनीयता की कमी, जो अपने बारे में जितना जानते हैं उससे कहीं अधिक आपके बारे में जानते हैं। ऐसे देश को चलाने के लिए असाधारण कौशल की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अकसर शांति की तलाश में देश के दूरदराज के स्थानों की यात्रा करते हैं। नये साल पर लक्षद्वीप की इसी तरह की यात्रा ने देश को अपने पिछवाड़े में एक समुद्र तट बसे स्वर्ग जैसे स्थल से परिचित कराया, जबकि भारतीयों ने ऐसी सुंदरता और शांति की तलाश में दूर–दूर तक यात्रा की है। लेकिन लक्षद्वीप से प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीरों ने ब्रिटेन में शिक्षित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली नवगठित मालदीव सरकार की ओर से कुछ कथित रूप से अशोभनीय टिप्पणियां की गईं। चाहे टिप्पणियां अरुचिकर हों या मजाकिया, उन्हें भारतीय श्भेड़िया योद्धाओंश ने अपनी कट्टरता प्रदर्शित करने के लिए चुना। लेकिन देश के प्रति इस तरह का प्यार सतही है और इससे न तो भारतीय पर्यटन और न ही भारतीय कूटनीति को कोई फायदा होता है। राष्ट्रपति मुइज्जू ने इस मामले को परिपक्व और ईमानदार तरीके से निपटाया, अपने मंत्रियों को इस मुद्दे पर कोई और टिप्पणी करने से रोका, और उन्हें यह भी सिखाया कि उन्हें विदेशी सरकारों और अधिकारियों पर टिप्पणी करने से क्यों बचना चाहिए। राष्ट्रपति मुइज्जू जल्द ही चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर चीन गए जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। वहां से लौटने के बाद उन्होंने 15 दिनों के भीतर भारत को मालदीव से अपनी सेना हटा लेने को कहा। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इसका मतलब है कि आप चाहें या न चाहें, आप इसके साथ व्यापार करने से बच नहीं सकते। इस पृष्ठभूमि में यह समझना मुश्किल नहीं है कि राष्ट्रपति मुइज्जू को यथाशीघ्र चीन पहुंचे। हम भारतीयों को, जिन्होंने मालदीव के पर्यटन की निंदा करने और उसका बहिष्कार करने में अत्यधिक आनंद लिया है, उन्हें समझना चाहिए कि आलोचना हमेशा बुरी नहीं होती है। आलोचना और सराहना एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, खासकर जब हम सार्वजनिक जीवन में लोगों की प्रतियोगिता में इनके बारे में बात करते हैं।

फिलहाल, भारत लाल सागर में अपने मालवाहक जहाजों के लिए गंभीर खतरे का सामना कर रहा है, जहां ईरान समर्थित यमन स्थित हौथी आतंकवादियों ने उन पर कई ड्रोन हमले किये हैं। अनुमान है कि इस नये खतरे से लगभग 30फीसदी भारतीय कार्गो प्रभावित होने वाला है! मालदीव जैसे देशों के साथ हमारी सद्भावना हमारे पक्ष में शांति बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस आलोक में, मालदीव के नौसिखिए मंत्रियों और सांसदों की ओर से कुछ मित्रतापूर्ण आलोचना या उपहास को बढ़ा–चढ़ाकर पेश नहीं किया जाना चाहिए था। हमें यह नहीं भूलना चाहिए, जब तर्कवादियों को चुप करा दिया जाता है, तो चरमपंथियों को अपना सिर उठाने का मौका मिलता है। हमें इन नेताओं को धन्यवाद देना चाहिए, चाहे वे चीन समर्थक हों या भारत विरोधी, कि उनका देश पाकिस्तान या अफगानिस्तान जैसा नहीं है, जहां अफीम के नशे में धुत्त आतंकवादियों ने सामान्य जीवन को बाधित कर दिया है। हम उम्मीद करते हैं कि राष्ट्रपति मुइज्जू क्षेत्रीय शांति और स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। जब भारतीय पर्यटन की बात आती है, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम केवल बाहरी पर्यटन के लिए ही अच्छे हैं। भारत में जिस तरह की नागरिक भावना और स्वच्छता के मानक हैं, उसे देखते हुए यह अच्छा है कि विदेशी पर्यटक यहां कम आते हैं। इससे भारतीय पर्यटन को विदेशी प्रेस में खराब समीक्षा मिलने से बचाया जा सकेगा। हाल की भूराजनीतिक घटनाओं और मालदीव के अधिकारियों के बयानों ने क्षेत्रीय परिदृश्य में जटिलता की एक नयी परत जोड़ दी है। इन विकासों के बीच, इन स्थलों की पर्यटन गतिशीलता और उनकी चुनौतियों और विकास की संभावनाओं का पता लगाना सार्थक है। मालदीव लक्जरी पर्यटन के प्रतीक के रूप में खड़ा है, जिसमें अच्छी तरह से विकसित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, लक्जरी रिसॉर्ट्स की बहुतायत और घाट और समुद्री विमानों के माध्यम से कुशल कनेक्टिविटी है। इसके विपरीत, लक्षद्वीप को सीमित विकास, कम रिसॉर्ट्स और कनेक्टिविटी मुद्दों की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मालदीव ने खुद को एक वैश्विक हनीमून हेवन के रूप में स्थापित किया है, जो विविध गतिविधियों की पेशकश करता है और साल भर आकर्षण का आनंद देता है। दूसरी ओर, लक्षद्वीप अप्रयुक्त सुंदरता, अद्वितीय सांस्कृतिक अनुभव और पर्यावरण–पर्यटन क्षमता पर ध्यान केंद्रित करने का दावा करता है। जबकि मालदीव को जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता और अतिपर्यटन के बारे में चिंताओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लक्षद्वीप पहुंच के मुद्दों, बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता और पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच नाजुक संतुलन से जूझ रहा है।

लक्षद्वीप के पर्यटन उद्योग का भविष्य विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की क्षमता पर निर्भर करता है, जिससे यह हिंद महासागर पर्यटन बाजार में अपनी जगह बना सके। सरकारी पहल, वीजा नीतियां, और पर्यावरण–पर्यटन और जिम्मेदार यात्रा प्रथाओं की बढ़ती प्रवृत्ति इन दो स्वर्ग जैसे स्थलों की नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

प्राण प्रतिष्ठा ईवेंट, मास्टर स्ट्रोक या बूमरेंग?

राजेंद्र शर्मा

अब जबकि अयोध्या में राम मंदिर का कथित प्राण प्रतिष्ठा समारोह सिर्फ एक ही हफ्ते दूर रह गया है, इसमें शायद ही किसी संदेह की गुंजाइश रह गयी है कि संघ–भाजपा को वह मुद्दा मिल गया है, जिस पर वे आने वाले आम चुनाव में नरेंद्र मोदी के तीसरी कार्यकाल की वैतरणी पार करने के लिए दांव लगाने जा रहे हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि अपनी तमाम शक्ति तथा संसाधनों को झोंककर, जिसमें जनबल ही नहीं धनबल भी शामिल है और सबसे बढ़कर मीडिया के विभिन्न रूपों पर लगभग पूर्ण नियंत्रण के जरिए, छवि तथा धारणा बनाने की सामर्थ्य शामिल है, उन्होंने अब तक काफी हद तक यह हवा भी बना दी है कि अब तो तमाम हिंदू उनके साथ और खासतौर पर नरेंद्र मोदी के पीछे हैं। अगले आम चुनाव में अब बस मोदी की विजय की औपचारिक घोषणा होना ही बाकी है! ठीक इसी संदर्भ में शंकराचार्यों के और कुछ अन्य प्रमुख धार्मिक आचार्यों के विरोध के स्वरों ने उनके लिए अप्रत्याशित मुश्किल खड़ी कर दी है। बेशक, ऐसा नहीं है कि संघ–भाजपा के मंसूबों पर इन आलोचनाओं का कोई असर पड़ने जा रहा हो या इन आलोचनाओं को देखते हुए वे, श्जो लाए हैं राम कोश के अपने दावों से किसी तरह से पीछे हटने जा रहे हों या उनमें कोई कमी करने जा रहे हों। इस मुद्दे पर उनका राजनीतिक–चुनावी दांव इतना बड़ा है कि इससे अब वे किसी तरह पांव पीछे नहीं खींच सकते हैं। लेकिन, यह मुश्किल इतनी अप्रत्याशित है कि वे इसकी कोई उपयोगी काट तक नहीं खोज पा रहे हैं। संघ–भाजपा की ट्रोल सेना ने और मंझले स्तरों तक के उनके नेताओं ने भी, जिस तरह खासतौर पर पुरी तथा ज्योतिर्मठ के शंकराचार्यों के खिलाफ हमला बोल दिया है या जिस तरह मंदिर निर्माण की कमेटी के वाचाल प्रवक्ता, चंपतराय ने राम मंदिर को सिर्फ रामानंदी संप्रदाय का मामला बताकर, शैव संप्रदाय के शंकराचार्यों की उसके संबंध में हर तरह की राय को ही खारिज कर दिया है, उनकी बौखलाहट को ही दिखाता है। उनके दुर्भाग्य से उनकी यह बौखलाहट, हिंदू धार्मिक परंपराओं के अंदर से आने वाली असहमति की आवाजों को दबाने में कामयाब होना तो दूर, वास्तव में कथित प्राण प्रतिष्ठा आयोजन की इस आशय की आलोचनाओं की ही पुष्टिङ्क कर रही है कि 22 जनवरी को अयोध्या में जो हो रहा है, धार्मिक आयोजन कम है और संघ–भाजपा का राजनीतिक और वास्तव में चुनावी आयोजन ही ज्यादा है। जाहिर है कि इस बढ़ते एहसास को, केंद्र सरकार और उससे भी बढ़कर भाजपा की राज्य सरकारों को, धर्मनिरपेक्ष शासन के सभी तकाजों को भुलाकर, इस छद्म धार्मिक आयोजन में आधिकारिक रूप से झोंके जाने से नहीं रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, श्मंदिरश के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठङ्कान में मुख्य यजमान बनने के लिए विशेष धार्मिक श्वैधताश हासिल करने के लिए, प्रधानमंत्री द्वारा गा–बजाकर किया जा रहा ग्यारह दिन का विशेष धार्मिक तैयारी कर्म–कांड भी, संभावित नुकसान की बहुत भरपाई कर पाएगा, ऐसा नहीं लगता है। बेशक, इसका ठीक–ठीक अर्थ यह भी नहीं है कि 22 जनवरी का अयोध्या का आयोजन किसी नजर आने वाले अर्थ में फ्लॉप हो जाने वाला है, फीका पड़ जाने वाला है। लेकिन, इसका एक अर्थ यह अवश्य है कि इससे, खुलेआम भाजपा–आरएसएस द्वारा नियंत्रित इस आयोजन से विपक्षी राजनीतिक ताकतों के दूरी बनाने को, एक अतिरिक्त वैधता मिलती है। दूसरे शब्दों में, तुरंत इसका नतीजा यह तो होने ही वाला है कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन का श्बहिष्कारश करने के लिए, संघ–भाजपा ने विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के खिलाफ जिस तरह की प्रचार मुहिम छेड़ी है तथा छेड़ने की योजना बना रखी है, उसकी धार काफी कुंद हो जाने वाली है।

याद रहे कि संघ–भाजपा ने इस आयोजन के लिए आमंत्रण के बहाने, विपक्षी पार्टियों के लिए बड़ी चतुराई से जाल बिछाया था। खेल विपक्ष के सामने श्हां कहें तो मरें और ना करें तो मरेंश की दुविधा खड़ी कर देने का था। हालांकि, निमंत्रण देने की शुरूआत मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से की गयी, जिसके इस तरह के आयोजन से दूरी बनाने का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता था, असली खेल मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और सपा, आरजेडी, जदयू, शिव सेना, एनसीपी जैसी मुख्यधारा की क्षेत्रीय विपक्षी पार्टियों के लिए भी दुविधा खड़ी करने का था। अगर जाएं, तो संघ–भाजपा के राजनीतिक–चुनावी खेल का अनुमोदन करें और न जाएं, तो श्राम मंदिर विरोधीश होने के उनके हमलों को अतिरिक्त वैधता दें। बहरहाल, खुद हिंदू धार्मिक परंपरा के ऊंचे पदों से इस आयोजन पर उठे सवालों ने, संघ–भाजपा के इन हमलों की धार्मिक वैधता पर सवाल खड़े कर, उनकी धार छीन ली है।

पहले कम्युनिस्ट, फिर कांग्रेस, फिर समाजवादी पार्टी, फिर बसपा, फिर अन्य अधिकांश विपक्षी पार्टियों के इस अयोध्या आयोजन से दूरी बनाने के पीछे, एक महत्वपूर्ण चिंता यह भी रही है कि क्या एक धर्मनिरपेक्ष देश में शासन को, इस तरह किसी एक धर्म के आयोजनों को अपने कंधों पर लेना चाहिए? धर्मनिरपेक्षता की कोई भी परिभाषा क्यों न की जाए, एक बहुधार्मिक देश में शासन, एक धार्मिक–परंपरा के साथ खड़ा दिखाई दे, यह स्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन, मोदी राज के करीब दस साल में भारत में शासन से धर्मनिरपेक्षता के तकाजों को इतना कमजोर कर दिया गया है और बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिकता को इस कदर हावी होने का मौका दिया गया है कि, विपक्षी धर्मनिरपेक्ष पार्टियां तक धर्मनिरपेक्षता के इन न्यूनतम तकाजों पर जोर देने में हिचकने लगी थीं। बहरहाल, अब जबकि एक धार्मिक आयोजन की जगह पर, खुल्लमखुल्ला राजनीतिक–चुनावी आयोजन के बैठाए जाने के खिलाफ, खुद उच्च धार्मिक हलकों से चिंताएं फूट पड़ी हैं, इसने बहुसंख्यक सांप्रदायिकता की ताकतों के हमले का सामना करने के मुख्यधारा की विपक्षी पार्टियों के साहस को बल दिया है। इसी का नतीजा, विपक्षी इंडिया गठबंधन से भी व्यापक पैमाने पर, विपक्षी ताकतों के बलपूर्वक नहीं कहने के रूप में सामने आया है। ठीक इसी संदर्भ में संघ–भाजपा ने राम मंदिर उद्घाटन आयोजन को, धर्मनिरपेक्ष विपक्ष के खिलाफ जो मास्टर स्ट्रोक बनाने की कोशिश की थी, साफ तौर पर विफल होती नजर आ रही है। यह मास्टर स्ट्रोक तो, जैसा हमने पीछे इशारा किया था, धर्म निरपेक्ष विपक्ष के खिलाफ हथियार के रूप में, फ्लॉप शो ही होता नजर आता है। उल्टे इस टक्कर में से विपक्ष ही विचारधारात्मक रूप से ज्यादा स्पष्टङ्क और एकजुट होकर उभरता नजर आ रहा है। राम मंदिर के नाम पर संघ–भाजपा द्वारा उठायी जा रही इस आंधी के सामने विपक्ष का धर्मनिरपेक्षता के सिद्घांत के पक्ष में मजबूती से खड़ा होना, एक इस मुद्दे का ही सवाल नहीं है। यह बलपूर्वक इसका इशारा करना भी है कि सत्ताधारी संघ–भाजपा और विपक्ष के बीच आने वाले चुनाव में होने वाले विभाजन का, एक स्पष्टङ्क विचारधारात्मक रूप होगा। जनतंत्र, संघवाद तथा आम जन के हित के साथ, इस विभाजन के केंद्र में धर्मनिरपेक्षता बनाम बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिकता का विभाजन होगा। लेकिन, जैसाकि सभी जानते हैं यह सिर्फ एक मुद्दे पर या एक विचार पर जोर दिए जाने का ही मामला नहीं है। बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिकता वह पर्दा है, जिसकी ओट में मौजूदा निजाम आम जनता के लिहाज से अपनी सारी नाकामियों और इजारेदार पूंजीपतियों तथा अन्य विशेषाधिकार–संपन्नों की अपनी सारी सेवाओं की सच्चाई को, अपने राज के असली चरित्र को छुपाता है। यह पर्दा जैसे–जैसे कमजोर होगा, यहां से वहां से फटेगाध हटेगा, वैसे–वैसे अपने हित के वास्तविक मुद्दों पर आम जनता और हरकत में आएगी। इंडिया गठबंधन ठीक इसी रास्ते पर बढ़ रहा है। याद रहे कि विपक्षी पार्टियों के साथ आने जितना ही महत्वपूर्ण है, इस पर्दे का हटना और आम जनता का अपने वास्तविक हितों के तकाजों को पहचानना। गोदी मीडिया के सारे प्रचार के विपरीत, राम मंदिर उद्घाटन का कथित मास्टर स्ट्रोक उल्टा पड़कर, बेरोजगारी, महंगाई आदि से लेकर जनतंत्र तक, जनता के हित के वास्तविक मुद्दों को ही उभारने जा रहा है। और यही काम राहुल गांधी की मणिपुर से शुरू हुई श्न्याय एकता यात्रा समेत इंडिया की विभिन्न एकजुट जन–कार्रवाइयां करने जा रही हैं। यह मीडिया के सारे दावों के विपरीत, आने वाले चुनावी मुकाबले को विपक्ष की पक्ष में और ज्यादा खोलने ही जा रहा है।

ताईवानी लोगों का चीन को ठेंगा!

श्रुति व्यास,

विलियम लाई चिंग–टी ताईवान के नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। चीन से ताईवान की आजादी की पक्षधर उनकी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) ने तीसरी बार जीत हासिल की है। जहां एक ओर ताईवान खुशी में झूम रहा है जश्न मना रहा है, वहीं चीन में शी जिन पिंग शायद लाल–पीले हो रहे होंगे, गुस्से से उबल रहे होंगे।

आखिकार, ताईवान का अपनी मातृभूमि का हिस्सा बनाना शी जिनपिंग का पुराना सपना है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ताइवान को अपने देश का पवित्र, खोया हुआ इलाका मानती है। कुछ सप्ताह पहले शी ने ताइवान के चीन में विलय को श्ऐतिहासिक अवश्यंभावीताश बताया था।लेकिन डीपीपी और लाई चिंग–टी की वापसी से यह श्अवश्यंभावीताश हवा–हवाई नजर आ रही है। यह एक निर्णायक चुनाव था जिसमें ताईवानी मतदाताओं ने जाहिर तौर पर चीन की उस धमकी को नजरअंदाज कर दिया जिसमें डीपीपी को पृथकतावादी बताया गया था। चीन ने कहा था कि डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी को वोट देने का मतलब है युद्ध के लिए वोट देना। जनता ने अपनी राय जाहिर कर दी है।

शनिवार को करीब 70 फीसदी मतदाताओं ने वोट दिया। ताईवान के ज्यादातर लोग न तो स्वतंत्रता के पक्षधर हैं ना ही तुरंत एकीकरण के, बल्कि वे यथास्थिति अर्थात व्यावहारिक तौर पर ताईवान को आजाद बनाए रखना चाहते हैं। लाई चिंग–टी ने 40 प्रतिशत वोटों के साथ जीत हासिल की है। उन्होंने ताईवान की संप्रभुता से समझौता किए बिना चीन की राह रोकने की अपनी पार्टी की नीति जारी रखने का वायदा किया है। चुनाव जीतने के बाद जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने जनमत की सराहना करते हुए कहा, ताईवान दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि लोकतंत्र और अधिनायकवाद में से हम लोकतंत्र के पक्षधर हैं।उन्होंने अपने भाषण में यह वायदा भी किया कि वे चीन की जुबानी और सैन्य धमकियों से ताईवान की रक्षा करेंगे।

डीपीपी की जीत से दोनों महाशक्तियों दृ चीन और अमरीका दृ की बढ़ती प्रतिद्वंद्विता के और जोर पकडने की संभावना है दृ और यह अगले चार सालों तक तीखी होगी।

हालांकि इस जीत पर चीन की पूरी प्रतिक्रिया आने वाले महीनों में सामने आएगी मगर फिलहाल, नतीजे आने के तुरंत बाद, चीन ने एक चेतावनी भरा वक्तव्य जारी किया है। ताईवानी मामलों के उसके ऑफिस ने कहा कि इस चुनाव से इन दोनों देशों के संबंधों की दिशा में बदलाव नहीं होगा। मतलब यह कि अस्थिरता और तनाव का दौर जारी रहेगा और यह भी लगभग निश्चित है कि वह और गंभीर स्वरुप लेगा।

चुनाव प्रचार के दौरान चीनी अधिकारियों ने वक्तव्यों और सरकारी प्रकाशनों के सम्पादकीय लेखों में लाई चिंग–टी को खलनायक बताया, उन्हें ताईवान की आजादी का अडियल पैरोकार ताईवान स्ट्रेट के दोनों ओर अमन–चौन नष्ट करने वाला और एक घातक युद्ध का संभावित रचयिता आदि बताया। ताईवान की स्वतंत्रता के बारे में लाई चिंग–टी के विचार अपने पूर्ववर्ती की तुलना में अधिक स्पष्ट हैं और वे उन्हें बिना लागलपेट के व्यक्त करते रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने संकल्प व्यक्त किया था कि वे आधुनिकीकरण की राह पर चलते रहेंगे और एकाएक ताईवान को स्वतंत्र घोषित करने जैसा कोई कदम नहीं उठाएंगे (हालांकि अब डीपीपी के नेता कह रहे हैं कि ताईवान पहले से ही स्वतंत्र है इसलिए इसकी घोषणा करने की कोई जरूरत नहीं है!)।

उनके साथी और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सियाओ बी–किम, जो अमेरिका में ताईवान के प्रतिनिधि रहे हैं और अब उपराष्ट्रपति निर्वाचित हो गए हैं, उन्हें भी वाशिंगटन में ताईवान की स्वतंत्रता का एक दृढ़ किंतु चौकन्ना रक्षक माना जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि डीपीपी का दुबारा सत्ता में आना अमेरिका के लिए कई दृष्टियों से फायदेमंद है। एक तो 2.30 करोड़ की जनसंख्या और सारी दुनिया को माईक्रोप्रोसेसर का सप्लायर होने के कारण ताईवान, वाशिंगटन के लिए वैश्विक स्थिरता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। और दूसरे चीन से मुकाबले में उलझे अमेरिका के लिए ताईवान में श्लोकतंत्र की जीतश्च एक दृष्टि से उसकी भी जीत है और कई मायनों में चीन की हार है।

लेकिन यह सब निश्चित ही शी जिन पिंग को पसंद नहीं आ रहा होगा। दुनियाभर के जानकारों ने इन दोनों के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता और इसके एक युद्ध की कगार तक पहुंचने के खतरे को लेकर चिंता जाहिर की है।

बीजिंग ने यह साफ कर दिया है कि वह वाशिंगटन से ताईवान पर दबाव डालने और उसे दिए जाने वाले सैन्य समर्थन में कमी लाने की मांग करता रहेगा। वैसे भी, अमरीका और चीन के कूटनीतिक संबंधों में एक–दूसरे को चेताते हुए संदेशों की भरमार है।

इस बीच आने वाले दिनों में चीन, ताईवान की राजनीति में दुष्प्रचार, धमकियों और आर्थिक प्रोत्साहनों के जरिए हस्तक्षेप करने का प्रयास करता रहेगा। चीनी अधिकारियों ने यह संकेत भी दिया है कि वे टैरिफ संबंधी रियायतों में कमी करके ताईवान के व्यापार को प्रभावित करने का कदम भी उठा सकते हैं। चीनी लड़ाकू विमान, ड्रोन और जहाज लगभग प्रतिदिन ताईवान की सीमा का उल्लंघन करते रहते हैं और आगे यह और बढेगा, ऐसी सम्भावना है।

चीन चाहता है कि ताईवानी डीपीपी को चुनने के लिए पछताएं। लेकिन ज्यादा बड़ी प्रतिक्रिया तो 20 मई को ही आ सकती है जब नई सरकार सत्ता संभालेगी। लाई चिंग–टी चुनाव प्रचार के दौरान ही यह कहकर विवाद पैदा चुके हैं कि उन्हें उम्मीद है कि एक दिन ताईवान का राष्ट्रपति व्हाईट हाऊस में प्रवेश करता नजर आएगा। अमेरिकी अधिकारी इस बात को लेकर भी चिंतित होंगे कि टी कार्यभार सम्हालने के बाद अपने पहले भाषण में ऐसी कोई बात न कह दें, जो लीक और अपेक्षा से अलग हो। मगर फिलहाल तो ताईवान अपनी इच्छा पूरी होने से आनंदित है, जश्न मना रहा है, और डर को अपने से दूर खदेड़ चुका है। र इसमें भी कोई शक नहीं कि शक्तिशाली ड्रेगन को चुनौती देने के लिए ताईवान तालियों और तारीफ का हकदार है।

स्वजन मिलन से बढ़ता है कर्मचारियों में सौहार्द-विजय कुमार बन्धु

अटेवा नें आयोजित किया स्वजन मिलन एवं तहरी भोज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अटेवा पेंशन बचाओ मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु के नेतृत्व में स्वजन मिलन व तहरी भोज कार्यक्रम का आयोजन 1090 चौराहे के पास किया गया। उक्त स्वजन मिलन व तहरी भोज कार्यक्रम में प्रदेश के समस्त विभागों के शिक्षक कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश सचिवालय, सिंचाई विभाग, निर्माण निगम, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी साथी कार्यक्रम में उपस्थित रहें। तहरी भोज कार्यक्रम में उपस्थित साथियों नें कहा की अटेवा सदैव सृजनात्मक व रचनात्मक कार्यक्रम करता रहता है। सभी को जोड़ने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों की समाज में महती भूमिका रहती है। छडव्है के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार श्बन्धुश नें कहा स्वजन मिलन से कर्मचारियों में आपसी सौहार्द बढ़ता है। प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ0राजेश कुमार ने कहा कि तहरी भोज से आपस में बंधुत्व व भाईचारे की भावना बढ़ती है।इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ0राजेन्द्र वर्मा, डॉ0राजेश कुमार, अशोक कुमार, डॉ0अंशु केडिया, अशोक कुमार, अर्जुन यादव, अर्जुन भारती, नरेंद्र कुमार, संजय रावत, पवन कुमार, विजय कुमार, डॉ0 रमेश चंद्र त्रिपाठी, विक्रमादित्य मौर्य, श्रजत प्रहरीश, प्रदीप गंगवार, अजय सरोज, राकेश वर्मा, विजय यादव, धीरेन्द्र कुमार, आनन्द मिश्रा, संजय यादव, प्रदीप गंगवार, नरेन्द्र कुमार, नरेन्द्र यादव, विवेक कुमार, सूनील कुमार, सुदामा प्रसाद आदि लोग उपस्थिति रहे।

ज्ञान बढ़ाने में करें स्मार्टफोन का उपयोग : कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में बुधवार को स्मार्टफोन वितरण का कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर 353 विद्यार्थियों को स्मार्टफोन वितरण किया गया। स्मार्टफोन पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। समारोह के मुख्य अतिथि करंजाकला ब्लाक प्रमुख के प्रतिनिधि सुनील यादव थे।

मुख्य अतिथि सुनील यादव ने कहा कि सरकार की मंशा है कि विद्यार्थी नई तकनीक के साथ जुड़कर अपना बौद्धिक विकास करें। इसके माध्यम से डिजीटल इंडिया योजना में सहयोग कर आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करें।

अध्यक्षता करतीं हुई विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि कोराना काल ने हमें सिखा दिया कि डिजीटल प्लेटफार्म पढ़ाई के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार की स्मार्टफोन योजना का विद्यार्थी अपना ज्ञान बढ़ाने में उपयोग करें। उन्होंने कहा कि अभ्यासा एप समेत कई ऐसे एप है जो कि हमें हर चीज में मदद कर सकते हैं।

कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि सरकार चाहती है कि वे विद्यार्थी जो स्मार्टफोन नहीं खरीद पा रहे हैं, ऐसे विद्यार्थी इस योजना के माध्यम से वैश्विक स्तर पर जुड़कर अपना बौद्धिक विकास करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इसका सकारात्मक उपयोग कर अपना कैरियर बनाएं। पूर्व कुलपति डॉ. बीएल आर्या ने कंप्यूटर की तकनीक पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि इंटरनेट पर अपार सामग्री उपलब्ध है आप इसका सपोर्टिंग रूप में इस्तेमाल करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि एआई आपके बुद्धि और ज्ञान से आगे न निकल पाए। स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. विनय वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. धर्मेंद्र सिंह और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. झांसी मिश्रा ने किया । इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक अजीत सिंह, ड़ॉ. प्रमोद यादव, डॉ सुनील कुमार, डॉ. आशीष गुप्ता, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. राजेंद्र सिंह, विकास सिंह समेत शिक्षक विद्यार्थी और कर्मचारी शामिल थे।

परीक्षा और मूल्याकन केंद्र का कुलपति ने किया निरिक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर की विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं का कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने बुधवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वह इंजीनियरिंग संस्थान, प्रबंध अध्ययन संकाय, विज्ञान संकाय और मानविकी संकाय के साथ बाला साहब देवरस मूल्यांकन भवन के मूल्यांकन केंद्र का निरीक्षण किया।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि परीक्षा की सुचिता में कोई कोताही न करें शिक्षक। साथ ही परीक्षा केंद्र की बिजली, पानी और वाशरूम की सफाई को भी देखा। उन्होंने कहा कि केंद्र निरीक्षक विद्यार्थियों की सुविधा का भी ध्यान दें , क्योंकि ठंड के कारण दूर–दूर से बच्चे आ रहे हैं उन्हें किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर मेडिकल किट की भी व्यवस्था करने को कहा । इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर सिंह मूल्यांकन केंद्र भी पहुंची। निरीक्षण के दौरान मूल्यांकन समन्वयक प्रोफेसर रामजीत सिंह ने बताया कि मनोविज्ञान, प्राचीन इतिहास और वाणिज्य का मूल्यांकन संपन्न कराया जा चुका है। हिंदी,शिक्षा शास्त्र, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, उर्दू, सैन्य विज्ञान, मध्य इतिहास का मूल्यांकन चल रहा है। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने परीक्षकों से मूल्यांकन व्यवस्था को लेकर वार्ता भी की। सभी परीक्षकों ने विश्वविद्यालय द्वारा मूल्यांकन व्यवस्था की सराहना की। निरीक्षण के दौरान सह समन्वयक डॉ. अनुराग मिश्र, सह समन्वयक डॉक्टर ममता सिंह , विषय विशेषज्ञ डॉ आलोक सिंह , डॉ. शशी सिंह, प्रोफेसर विनय कुमार दुबे, डॉ०मोहम्मद राशिद रब्बानी, डॉ० धर्मेश राज ,प्रो० रामकृष्ण सिंह मौजूद रहे।

ब्लॉक प्रमुख पिहानी सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने धूमधाम से मनाया विधायक का जन्म दिवस

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

विकासखंड पिहानी की सभागार में आयोजित सभा में भाजपा विधायक श्याम प्रकाश के, दीर्घायु की होने के लिए डाली गई यज्ञ में आहुतियां, और गरीबों को कंबल वितरित करते हुए भंडारा आयोजित किया गया। ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई, विधायक प्रतिनिधि धर्मेश मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि अनुपम मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि विपिन मिश्रा, गिरीश बाजपेई हरिओम मिश्रा, नवनीत बाजपेई, बुद्ध प्रकाश अवस्थी, प्रधान रामशरण प्रधान संघ अध्यक्ष मेवाराम राठौर, विकासखंड अधिकारी उदयवीर दुबे ,भाजपा नगर अध्यक्ष आदर्श सिंह, नीरज सिंह , सुबोध सिंह,रामदास कटियार सहित सैकड़ो की तादाद में भाजपा कार्यकर्ता, प्रधान बीडीसी समेत कई लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गोपामऊ विधानसभा से विधायक श्याम प्रकाश को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और कहा कि वह पार्टी को प्रेरणादायक नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। पिहानी विकासखंड की स्वर्गीय प्रकाश चंद्र बाजपेई की सभागार में ब्लॉक प्रमुख कुशी वाजपेई ने बधाई देते हुए उनकी लंबी उम्र की कामना की। कहां कि वह पार्टी को प्रेरणादायक नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं और हमारे संगठन को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।''विधायक प्रतिनिधि धर्मेश मिश्रा ने कहा कि विधायक जी अन्दर समृद्ध प्रशासनिक और विधायी अनुभव है, जिसे लेकर उनकी व्यापक स्तर पर प्रशंसा की जाती है।क्षेत्र के लोग उनकी कार्यशैली से अत्यंत संतुष्ट है। मैं उनके दीर्घायु होने की कामना करता हूं। समर्पण और आपकी दृढ़ता देश और जनता के कल्याण के लिए काम करने को हमेशा प्रेरित करते रहते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए नवनीत वाजपेई ने कहा कि विधायक श्याम प्रकाश के परिश्रम, कर्मठता व संगठन कौशल से पार्टी जमीनी स्तर पर और सशक्त होकर निरंतर नई ऊंचाई को छू रही है। मैं उनके सदैव स्वस्थ रहने व दीर्घायु होने की कामना करता हूं।

मामूली विवाद में हुई फायरिंग में युवक घायल,मामला दर्ज

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के ग्राम सभा इटौरा में मामूली विवाद को लेकर हुई फायरिंग में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे परिजन आनन–फानन में एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले गये। सूचना पर जब पुलिस पहुंची तब तक अभियुक्त मौके से फरार हो चुका था। ग्राम इटौरा निवासी छोटे लाल ने थाने पर दी तहरीर में बताया कि 15 जनवरी की शाम को उसका भतीजा संदीप उसे खेत पर खाना देने जा रहा था उसी समय रास्ते में सत्यशील नाम के एक हिस्ट्रीशीटर ने उसे रोककर गाली गलौज करने लगा जिसका संदीप ने विरोध किया। विरोध करने पर हिस्ट्रीशीटर सत्यशील ने संदीप की पिटाई कर दी। इसकी शिकायत करने जब छोटेलाल अपने परिजनों के साथ हिस्ट्रीशीटर के घर पहुंचा। आरोप है कि सत्यशील ने गाली गलौज करते हुए परिजनों के ऊपर तमंचे से फायर कर दिया। जिसमें ऋषिपाल घायल हो गया। घायल अवस्था में परिजन एम्बुलेंस की सहायता से ऋषिपाल को उपचार हेतु जिला अस्पताल ले गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

26 जनवरी को 19,341 फीट अफ्रीका की सबसे ऊंची पर्वत चोटी पर तिरंगा फहरायेगें:–डीएम

अभिनीत जैसे पर्वतारोही , पर्वतारोहण के क्षेत्र में अन्य युवाओं के लिए एक प्रेरणा है:एमपी सिंह

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। जनपद के एक मात्र पर्वतारोही अभिनीत मौर्य को आज जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने उनके आगामी मिशन माउट किलिमंजारो के लिए शुभकामनाएं दी। अभिनीत 19 जनवरी 2024 को विकास खण्ड कोथावां के ग्राम आट–साट स्थित अपने पैत्रक निवास से लखनऊ पहुंचेगें और लखनऊ से हवाई मार्ग द्वारा मुम्बई के लिए रवाना होगें। 20 जनवरी को वह मुम्बई से तन्जानियां पहुंचेगें व 21 जनवरी को अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी के लिए चढ़ाई प्रारम्भ करेगें।

अभिनीत 26 जनवरी 2024 को 19,341 फीट अफ्रीका की सबसे ऊंची पर्वत चोटी पर देश का राष्ट्रीय झण्डा तिरंगा फहरायेगें। इस अभियान से पूर्व अभिनीत देश की टेबलटाप, माउट मचोई, केदार कंठा, तपोपन ट्रेक्र व फ्रेन्डशिप चोटी जैसी ऊंची पर्वत चोटियों पर सफलता पूर्वक चढ़ाई कर चुकें है। कुछ माह पूर्व उन्होने यूरोप सबसे ऊंची चोटी माउट एलब्रुस पर चढ़ाई कर तिरंगा फहराया था तथा पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया था। उनके आगामी पर्वतारोहण अभियान को लेकर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह का कहना है कि अभिनीत जैसे पर्वतारोही, पर्वतारोहण के क्षेत्र में अन्य युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। उनके अभियान को लेकर उनके पिता चन्द्र पाल मौर्य सहित समस्त परिवार तथा उनके चाहने वाले अत्यंत उत्साहित हैं।

फोर्टिस नोएडा में अमेरिका की 32 वर्षीय महिला का रोबोटिक मायोमेक्टॉमी के जरिए जटिल फाइब्रॉएड का हुआ सफल इलाज

अमेरिका की अपेक्षा किफायती और तत्काल सर्जरी की सुविधा की वजह से भारत आई अमेरिका महिला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नोएडा। अपनी चिकित्सा विशेषज्ञता और अत्याधुनिक मेडिकल तकनीक का प्रयोग करते हुए, फोर्टिस नोएडा ने अमेरिका की रहने वाली 32 वर्षीय मरीज का रोबोट की सहायता से सफल मायोमेक्टॉमी सर्जरी की। मरीज की शादी को चार साल हो गए हैं और वे दर्दनाक मासिक धर्म और गर्भधारण करने में असमर्थता से जूझ रही थी। अमेरिका में पहले हुए अल्ट्रासाउंड जांच से उनके गर्भाशय की मांसपेशियों के भीतर दो बड़े फाइब्रॉएड होने का पता चला। एक फाइब्रॉएड का आकार लगभग 5 सेमी था, जबकि दूसरे का आकार लगभग 10 सेमी था। आकार में बड़ा फाइब्रॉइड उनके गर्भाशय की परत और कैविटी पर दबाव डाल रहा था, जिससे उन्हें दर्द व अन्य परेशान करने वाले लक्षण और बांझपन की समस्या का सामना करना पड़ रहा था।

अमेरिका में रहने वाली इस 32 वर्षीय महिला के लिए, फाइब्रॉइड बड़ी परेशानी और निराशा का कारण बन चुका था और हर गुजरते दिन के साथ उनकी हालत बिगड़ रही थी। रोगी की गंभीर स्थिति के कारण उसके लक्षणों को कम करने और गर्भधारण की संभावना बढ़ाने के लिए इन फाइब्रॉइड को हटाना जरूरी था। उन्हें अमेरिका में समय पर सर्जिकल सहायता प्राप्त करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। सर्जरी के लिए न केवल प्रतीक्षा समय अनावश्यक रूप से लंबा था, बल्कि उससे जुड़ी लागत भी बहुत अधिक थी। इसने उन्हें वैकल्पिक विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया। मरीज भारत आई और नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में डॉक्टरों से परामर्श किया। रोगी की जांच करने पर, डॉक्टरों ने फाइब्रॉइड को हटाने के लिए रोबोट की सहायता से की जाने वाली मायोमेक्टॉमी सर्जरी की सलाह दी।

फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की निदेशक एवं एचओडी डॉ. अंजना सिंह ने बताया, ष्रोबोट–असिस्टेड मायोमेक्टॉमी सर्जन को पेट के निचले हिस्से में छोटे चीरों के माध्यम से उपकरण और एक छोटा कैमरा डालने में मदद करती है। इससे सर्जन उस क्षेत्र को बेहतर तरीके से देख सकता है। इस प्रक्रिया में सर्जिकल उपकरण रोबोटिक नियंत्रक का उपयोग करके प्रयोग किए जाते हैं। रोबोटिक आर्म्स की उन्नत निपुणता गर्भाशय को संरक्षित करते हुए सावधानीपूर्वक फाइब्रॉइड को हटाने की सुविधा देती है। रोबोटिक तकनीक के उपयोग से ऑपरेशन के बाद होने वाला दर्द कम हो जाता है, जिससे उपचार प्रक्रिया अधिक आरामदायक हो जाती है। यह पारंपरिक ओपन सर्जरी की तुलना में कई फायदे भी प्रदान करता है, जिसमें छोटे चीरे, कम रक्त हानि, तेजी से रिकवरी और न्यूनतम घाव का होना शामिल हैं। रक्तस्राव में वृद्धि से बचने के लिए रोगी के मासिक धर्म के बाद सर्जरी की योजना बनाई गई थी। हमें सर्जरी की सटीकता और खून की कमी न होने, अस्पताल में कम समय तक रुकने के मामले में रोबोटिक सहायता के सभी सुविधाओं का पूरा लाभ मिला। साथ ही सर्जरी के दौरान या बाद में मरीज को ब्लड ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकता नहीं पड़ी। ऑपरेशन के बाद उनकी रिकवरी स्थिर थी। सर्जरी के दिन शाम को उसे मुस्कुराते हुए देखना बहुत संतुष्टिदायक था। रोबोटिक सर्जरी से उन्हें लगभग 5 से 6 मिमी के कीहोल चीरों के माध्यम से हुए उपचार का लाभ मिला, जिसमें कम से कम निशान पड़े और जो चीरा नजर आ रह था वह भी कॉस्मेटिक रूप से सही दिख रहा था।

सर्जरी के बाद मरीज तीन सप्ताह से अधिक समय तक डॉक्टरों की देखरेख में रही , जिसके बाद हाल ही में वह वापस अमेरिका चली गई। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि सर्जरी में किसी भी तरह की देरी से फाइब्रॉइड बढ़ जाता, जिससे उसके लक्षण बिगड़ जाते और उसके बाद अधिक जटिल सर्जरी की आवश्यकता होती है।

डॉ. अंजना सिंह ने बताया कि इस अत्याधुनिक प्रक्रिया के लाभ सामान्य तरीके से की जाने वाली सर्जरी के मुकाबले कई गुना थे। सबसे पहले, रोगी को उसके दर्दनाक मासिक धर्म में होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव में उल्लेखनीय कमी का अनुभव हुआ, जिससे उसके जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ। इसके अतिरिक्त, फाइब्रॉइड को हटाने से उसके गर्भाशय की परत और कैविटी पर दबाव समाप्त हो गया, जिससे उसके स्वाभाविक रूप से गर्भधारण करने की संभावना बढ़ गई। ठीक होने में कम समय लगने का मतलब है कि वह अपनी दैनिक गतिविधियों को अपेक्षाकृत तेजी से फिर से शुरू कर सकती है।

लखनऊ के खगोलविदों ने ब्रह्माण्ड में खोजे राम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नेबुला हंटर्स संकल्प एम रस्तोगी जो अपना खगोल विज्ञान एनजीओ ̎बप. मदजपपिब ज्ञदवूसमहकम वित ल्वनजी थ्वनदकंजपवद के अध्यक्ष है ।और उत्कर्ष मिश्रा जो एमिटी विश्वविद्यालय के छात्र हैं द्य दोनों वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी सुमित श्रीवास्तव की देखरेख में रात के आकाश में दिखाई देने वाली खगोलीय वस्तुओं को देखने और उनके बारे में जानने के लिए कुछ साल पहले इंदिरा गांधी तारामंडल के सदस्य बने।

२०२० में लॉकडाउन के दौरान उन्होंने इंटरनेट पर उपलब्ध खगोलीय डेटा की मदद से ब्रह्मांड में नए नेबुला की खोज पर काम करने के लिए एक टीम इंदिरा गांधी नक्षत्र शाला, लखनऊ के निदेशक श्री अनिल यादव के निर्देशन में बनाई।

नेबुला क्या है?

नेबुला अंतरिक्ष में धूल और गैस का एक विशाल बादल है। नेबूला विभिन्न प्रकार की होती है जैसे ग्रहीय नेबुला, सुपरनोवा अवशेष आदि।

अंतरिक्ष विज्ञान में कई प्रगति के बावजूद ब्रह्मांड में अभी भी ऐसे क्षेत्र हैं जिनकी खोज की जानी बाकी है और इन दोनों शौकिया खगोलविदों ने इन अज्ञात नेबुला की खोज में अपने अनगिनत घंटे बिताए।

एक नई नेबुला खोजने की तुलना भूसे के ढेर में सुई खोजने के कार्य से की जा सकती है।

लेकिन कठिनाइयों के बावजूद संकल्प और उत्कर्ष ब्रह्मांड में 55 से अधिक नए नेबुला की पहचान करने में कामयाब रहे हैं। उनकी सूची का तेजी से विस्तार हो रहा है।

उनकी सबसे प्रसिद्ध नेबुला खोज तारामंडल मोनोसेरोस में है। इस नेबुला को बबलगम नेबुला नाम दिया गया है। यह नेबुला आकार में बहुत बड़ी है लेकिन बिना दूरबीन के आसानी से दिखाई नहीं देती। यदि यह चांद के समान चमकीला होता तो यह आकाश में दूसरे चंद्रमा की तरह दिखाई देता। इस नेबुला की तस्वीर चिली से ली गई थी।

मोमी ५ जिसे सॉसरर्स स्टोन नेबुला के नाम से भी जाना जाता है, कैसिओपिया तारामंडल में फैंटम ऑफ द ओपेरा के नाम से मशहूर नेबुला के पास स्थित है। अपनी खोज की पुष्टि करने के लिए उन्होंने एक ब्रिटिश खगोलशास्त्री से संपर्क किया जिसने स्पेन में अपनी वेधशाला से उनके नेबुला की तस्वीर खींची।

उन्होंने अपनी हालिया खोज को 'राम' नेबुला नाम दिया है जो कैसिओपिया तारामंडल में स्थित है। यह आसानी से दिखाई नहीं देता था और इसलिए यह खगोलविदों से छूट गया था, लेकिन इन दो तेज–तर्रार शौकिया खगोलविदों से नहीं।

संकल्प और उत्कर्ष इन अनदेखे क्षेत्रों का अध्ययन करने के लिए इंदिरा गांधी तारामंडल द्वारा प्रदान की गई दूरबीन और उपकरणों का भी उपयोग करते हैं, उन्होंने अपने शोध कार्य में दुनिया के विभिन्न हिस्सों के शौकिया खगोलविदों के साथ भी सहयोग किया है। इंदिरा गांधी नक्षत्र शाला में ही दोनो उभरते हुए खगोलविदों ने सुमित कुमार श्रीवास्तव, वैज्ञानिक अधिकारी से एस्ट्रोनॉमी का बेसिक्स सीखे है । ये दोनो पिछले 12 सालों से इंदिरा गांधी नक्षत्र शाला से जुड़े हुए है ।

संकल्प और उत्कर्ष ने नेबुला के साथ क्षुद्रग्रह, सुपरनोवा और एक्सो ग्रहों की भी खोज की है। इन उभरते हुए खगोलविदों पर इंदिरा गांधी नक्षत्र शाला को गर्व है ।

सुमित कुमार श्रीवास्तव, के अनुसार राम नेबुला की खोज खगोलिकी के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी । और अन्य नए विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करेगी । राम नेबूला के डाटा का प्रयोग वैज्ञानिक अनुसंधानों के लिए भी किया जा सकेगा ।

व्यापारी महाकुंभ -24 से व्यापारियों को मिलेगी राजनीतिक ताकत

संवाददाता

लखनऊ। मंगलवार को प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल द्वारा गोमती होटल हजरतगंज लखनऊ में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनूप शुक्ला का जोरदार स्वागत हुआ।राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनूप शुक्ला ने बताया कि आज व्यापारी परेशान है ऑन लाइन शॉपिंग से सभी का व्यापार प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों का उत्पीड़न बढ़ रहा है और व्यापारियों की हत्या और उनके साथ लूट की घटनाएं भी हो रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इन घटनाओं और समस्याओं के समाधान हेतु तत्काल व्यापारी आयोग गठन बीमा जी एस टी को दो स्लैब में लाने मंडी शुल्क समाप्ति व्यापारियों का प्रतिशत के अनुसार राजनैतिक हिस्सेदारी समेत अन्य प्रमुख मांगों को पूरा किया जाए। डा अनुप शुक्ला ने बताया कि इन्हीं मांगों को उठाने के लिए व्यापारी महाकुंभ 2024 का आयोजन 28 जनवरी को सहकारिता भवन विधानसभा मार्ग लखनऊ में किया जा रहा है जिसमे प्रदेश के सभी जनपदों के व्यापारी नेता बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी मांगों को रखेंगे। इन्हीं मांगों को लेकर अध्यक्ष डा अनुप शुक्ला के नेतृत्व में व्यापारी मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेंगे। इस अवसर पर गीता सिंह को महिला जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। प्रेस वार्ता में राहुल गुप्ता जिलाध्यक्ष, डा पीसी गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष, रेनू शाही प्रदेश महासचिव, डा अदिति सिंह महिला नेत्री, शिव बहादुर सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष, अजय मौर्या प्रदेश सचिव, उपदेश सिंह प्रदेश सचिव आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

दारा सिंह चौहान जायेंगे विधानपरिषद, बीजेपी ने बनाया प्रत्याशी

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान को विधान परिषद के उपचुनाव में अपना प्रत्याशी घोषित किया है। दारा सिंह चौहान के लिये अब उच्च सदन की राह खुल रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने आज अवगत कराया है कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानपरिषद के उपचुनाव हेतु दारा सिंह चौहान के नाम पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। दारा सिंह चौहान बीजेपी के उम्मीदवार होंगे। दारा सिंह चौहान समाजवादी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। उन्हें बीजेपी ने दारा सिंह चौहान को उन्ही के इस्तीफे से खाली हुई घोसी विधानसभा सीट पर पार्टी प्रत्याशी बनाया था किंतु वे समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार से पराजित हो गए थे। तबसे उनके एडजस्टमेंट को लेकर बीजेपी में मंथन चल रहा था।आखिर उनकी राह तय हो गई। विधानपरिषद में बीजेपी के सदस्य दिनेश शर्मा के इस्तीफे से रिक्त हुई सीट पर दारा सिंह को मौका मिल रहा है। दिनेश शर्मा ने राज्यसभा सदस्य चुन लिये जाने के कारण विधानपरिषद सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था। भारत निर्वाचन आयोग ने विधान परिषद में एक सीट पर होने वाले उपचुनाव की तारीख में बदलाव किया है। उप चुनाव अब 29 जनवरी की जगह 30 जनवरी को होगा और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 22 जनवरी की जगह 23 जनवरी की गई है।

हनुमान सेतु में रक्षामंत्री ने झाडू-पोछा लगाया

संवाददाता

लखनऊ। केंद्रीय रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने हनुमान सेतु मंदिर में सफाई की। वह करीब 9.30 बजे हनुमान सेतु मंदिर पहुंचे थे। पहले उन्होंने बजरंग बली के आस–पास पड़े फूलों को कपड़े से इकट्ठा किया। फिर, पूरे परिसर में झाडू और पोछा लगाया। इस दौरान मंदिर परिसर में जय श्रीराम और जय हनुमान के जयघोष लगते रहे। मंगलवार को अमूमन हनुमान सेतु में ज्यादा भीड़ होती है। लेकिन, आज भक्तों को दर्शन के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा। क्योंकि रक्षामंत्री खुद यहां साफ–सफाई करने के लिए पहुंचे थे। यह बीजेपी के चल रहे स्वच्छता अभियान का ही एक हिस्सा है। राजनाथ सिंह ने मंदिर के प्रांगण में पहले झाडू लगाई और फिर पोछा लगाकर मंदिर की सफाई की। हनुमान जी के मंदिर के कपाट में बिखरे फूल को कपड़े से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बटोरा और फिर उठाकर उसे टोकरी में रखा। इससे बाद राजनाथ सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें भी स्वच्छता के लिए काम करते रहना चाहिए। बता दें बीते 14 जनवरी से बीजेपी उत्तर प्रदेश की सरकार के द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान अगले 11 दिनों तक चलाया जा रहा है।

काशीश्वर इंटर कालेज में निर्झरिणी पत्रिका का विमोचन

संवाददाता

लखनऊ। काशीश्वर इंटर कॉलेज में ब्लॉक प्रमुख व उप शिक्षा निदेशक द्वारा निर्झरिणी पत्रिका का विमोचन किया गया जिसमे कवि सम्मेलन व छात्र व छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मंगलवार को मोहनलालगंज के काशीश्वर इंटर कॉलेज में निर्झरिणी पत्रिका का विमोचन भाजपा के जिला उपाध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुख मोहनलालगंज ओम प्रकाश शुक्ल (विंधेश्वरी) और उप शिक्षा निदेशक षष्ट मंडल लखनऊ रेखा दिवाकर द्वारा किया गया। विमोचन के बाद ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ल ने मां सरस्वती का जयकारा लगवाते हुए बच्चों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया और विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी। वहीं उप शिक्षा निर्देश रेखा दिवाकर ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि काव्य हमारे जीवन का अभिन्न अंग है जिसकी शुरुवात मां की लोरी के साथ ही हो जाती है। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि पूर्व विधायक चंद्रा रावत ने भी बच्चो से मेहनत से पढ़कर माता–पिता का

चित्रकूट से खडाऊ लेकर चले नन्दीग्राम की ओर

19 जनवरी को अयोध्या में समाप्त होगी पांच दिवसीय यात्रा

संवाददाता

लखनऊ। त्रेतायुग में कैकेयी की हठ पर राजा दशरथ के द्वारा भरत को अयोध्या की राजगद्दी तथा प्रभु श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास मिलने की खबर पाकर ननिहाल से लौटे भरत प्रभु श्रीराम को चित्रकूट से अयोध्या वापस लाने की मनुहार की इच्छा असफल रहने पर श्रीराम की चरण–पादुका खड़ाऊं को शीर्ष पर रखकर वापस अयोध्या लौटे तथा उसी चरण–पादुका को राज्य सिंहासन पर विराजमान कर 14 वर्षों तक अयोध्या की सत्ता चलाने का काम किया था। त्रेतायुग के उस दृश्य की याद ताजा करते हुए श्रीराम वनगमन पथ मार्ग यात्रा का शुभारम्भ 15 जनवरी को मन्दाकिनी के जल–कलश के साथ भरतकूप चित्रकूट से नगर भ्रमण करते हुए भव्यता, दिव्यता एवं नव्यता के साथ संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में हरिकथा सत्संग टीम, स्वयंसेवकों, सेवाव्रती कार्यकर्ताओं एवं भारत भक्ति संस्थान के सन्त बाबासत्यनारायण मौर्या की अगुवाई में शुरू किया गया है। यात्रा में हजारों स्वयं सेवकों ,साधु–सन्तों के साथ सैकड़ों कलाकारों जिसमें खासकर बुन्देलखण्डी, अवधी संस्कृति से जुड़े कलाकारों के द्वारा 70 बुन्देलखण्डी ,अवधी संस्कृतियों की थीम पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देने का काम किया जा रहा है। रात्रि विश्राम चित्रकूट में हुआ। प्रातःकाल विभिन्न विद्यालयी बच्चों के द्वारा योग शिविर का आयोजन एवं बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। जहाँ हजारों की संख्या में लोगों की उपस्थिति एवं सहभागिता रही।यह यात्रा 16 जनवरी को मंझनपुर, कौशाम्बी से गुजरते हुए द्वितीय रात्रि यानि 16 जनवरी को इस यात्रा का प्रवास प्रयागराज में रहेगा। जहाँ भव्य, दिव्य प्रस्तुतियां संस्कृति विभाग की विख्यात कलाकारों द्वारा करायी जायेगी।कल 17 जनवरी को राम भक्तों एवं सांस्कृतिक कलाकारों, साधु सन्तों एवं स्वयंसेवकों के साथ हजारों की संख्या में यह यात्रा प्रयागराज नगर भ्रमण करती हुई सायंकाल ऐतिहासिक रामकेवट स्थल श्रृंग्वेरपुर पहुँचेगी, जहाँ प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री मत्स्य संजय निषाद जी अगुवाई करते हुए रात्रि विश्राम उसी निषादराज गुहा के प्रांगण में करेंगे। प्रातः चरण–पादुका का पूजन–अर्चन कर इसे मंत्री द्वारा विधिवत भ्रमण कराते हुए स्वागत सम्मान के साथ आगे के लिए रवाना किया जायेगा। यह यात्रा प्रतापगढ़ होते हुए 18 जनवरी को चतुर्थ रात्रि विश्राम सुलतानपुर में करेगी तथा रास्ते भर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, स्वागत सम्मान कार्यक्रम, रामभक्तों एवंजनप्रतिनिधियों द्वारा किया जायेगा। 19 जनवरी को प्रातः जनप्रतिनिधियों द्वारा इस यात्रा का पूजन–अर्चन एवं स्वागत करके अन्तिम पड़ाव नन्दीग्राम अयोध्या के लिए ससम्मान प्रस्थान कराया जायेगा तथा रास्ते भर इसका भव्य उत्सव एवं अलौकिक सम्मान–सत्कार, ढोल–मजीरों, बैण्ड–बाजों के साथ होकर 19 जनवरी को अपने अन्तिम पड़ाव नन्दीग्राम अयोध्या सायं 06 बजे पहुँचेगी। इस यात्रा का समापन पर्यटन एवं संस्कृति जयवीर सिंह द्वारा किया जायेगा।समापन कार्यक्रम के बाद श्रीराम गमन पथ यात्रा की चरण–पादुका श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के पदाधिकारियों को सौंप दी जायेगी। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मकर संक्रान्ति की तिथि से शुरू हो चुकी यह यात्रा लगभग 370 किमी की इस पांच दिवसीय ऐतिहासिक चरण–पादुका यात्रा में आस–पास के मन्दिरों धार्मिक स्थलों, विद्यालयों तथा गाँवों व नगरों से गुजरते हुए यात्रा का स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों, साधु–सन्तों, कलाकारों द्वारा अपनी–अपनी तरह से स्वागत–सत्कार रास्ते भर किया जायेगा, सरयू के जल–कलश के द्वारा शोभा–यात्रा में जगह–जगह पर रास्ते बैण्डबाजों, पुष्प वर्षा, जगह–जगह इन चरण–पादुका का स्वागत किया जायेगा। मुख्य रथ पर प्रसाद का वितरण, प्रचार–प्रसार, अयोध्या आने का निमन्त्रण, लोक कलाकारों का नृत्य एवं सन्तों का आशीर्वचन, प्रभु श्रीराम लला का मन्दिर एवं अयोध्या का दर्शन, एलईडी के माध्यम से संचालन एवं साउण्ड एवं लेजर शो का आयोजन सम्पूर्ण यात्रा में की जायेगी।

'आई-क्यू हॉस्पिटल्स के 17 साल पूरे, अब तक 6 लाख से अधिक सफल सर्जरी, 7-5 मिलियन मरीजों का बेहतर उपचार'

संवाददाता

लखनऊ। हाई क्वालिटी आई केयर सर्विस देने वाले आई–क्यू हॉस्पिटल्स ने अपने 17 साल पूरे कर लिए हैं। इस लंबे समय में आई–क्यू हॉस्पिटल ने 75 लाख रोगियों का बेहतर तरीके से इलाज किया है जो कि गर्व की बात है। इतना ही नहीं, इसने 6 लाख से अधिक आईज सर्जरी भी की हैं। ब्रांड अपनी इस उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहा है कि वह राष्ट्र की दृष्टि को बदलेगा। यह तथ्य समझते हुए कि नई तकनीकों और इलाजों के साथ बहुत से लोग समय पर सर्जरी और सही निदान के साथ अपनी दृष्टि को पुनः प्राप्त कर सकते हैं, आई–क्यू ने भारत में सभी सामाजिक स्तरों पर इस बड़े क्रांति की शुरुआत की है। आई–क्यू के चार राज्यों और 29 शहरों में सेंटर चल रहे हैं। इससे साबित होता है कि नेत्र देखभाल के क्षेत्र में यह ब्रांड तेजी से आगे की और बढ़ रहा और बढ़िया सेवाएं दे रहा है। कंपनी का नेट प्रमोटर स्कोर (एनपीएस) 80 है, जिससे पता चलता है कि कंपनी ग्राहक संतुष्टि के प्रति अपने प्रतिबद्धता को प्रमोट करती है, जो उन व्यक्तियों के सकारात्मक अनुभवों को दर्शाती है जिन्होंने आई–क्यू की सेवाओं का लाभ उठाया है।

इसके अलावा, आई–क्यू अपने कर्मचारियों के बीच विविधता को बढ़ावा देने पर गर्व करता है, क्योंकि इसके 40: कर्मचारियों में महिला कर्मचारी शामिल हैं। यह समर्पण समृद्धि और संतुलित कार्यस्थल के प्रति ही नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा उद्योग में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के विशाल उद्देश्य के साथ भी मेल खाता है। अस्पताल ने छोटे शहरों में स्वास्थ्य देखभाल मानकों को ऊपर उठाने में भी बड़ी भूमिका निभाई है, जहां गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं तक पहुंच सीमित हो सकती है। मुख्य रूप से इन वंचित क्षेत्रों से 9000 से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित करने के बाद, आई–क्यू ने भारत के हजारों परिवारों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। छोटे शहरों में स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा और सशक्तिकरण में निवेश करके, आई–क्यू ने केवल महत्वपूर्ण स्वास्थ्य स्थितियों का समाधान किया है बल्कि नीचे से सामाजिक–आर्थिक प्रगति को भी उत्तेजना किया है।

आई–क्यू हॉस्पिटल्स के फाउंडर और सीएमडी डॉ। अजय शर्मा ने कहा, श्तकनीकी प्रगति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ब्लेडलेस फेम्टो कैटरेक्ट, रू–लैंड और परस्त्र जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की शुरुआत से स्पष्ट है। ये नवाचार नेत्र देखभाल के क्षेत्र में प्रगति में सबसे आगे रहने के लिए आई–क्यू के समर्पण को उजागर करते हैं। हम न सिर्फ तकनीक पेश कर रहे हैं, बल्कि हम क्षेत्र स्तर पर भी काम कर रहे हैं। इससे पूरे देश में सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियों पर प्रभाव पड़ता है। आई क्यू के को–फाउंडर और सीईओ रजत गोयल ने कहा, श्आई–क्यू में, हम नेत्र देखभाल में अत्याधुनिक तकनीक की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास करते हैं। हमारी प्रतिबद्धता अग्रणी नवाचार की है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे रोगियों को नवीनतम प्रगति से लाभ मिले। स्टेट–ऑफ–द–आर्ट समाधानों के साथ, हम दृष्टि स्वास्थ्य के लिए एक स्पष्ट, उज्ज्वल भविष्य को प्रकाशित करते हैं। आई–क्यू हॉस्पिटल्स आने वाले वर्षों में निरंतर विकास और नवाचार के लिए तत्पर है, जिसका लक्ष्य सुलभ और उन्नत नेत्र देखभाल सेवाओं के माध्यम से समुदायों की भलाई में अपने योगदान को और बढ़ाना है।

फिर एक बार मोदी सरकार, इस बार भाजपा चार सौ पार- योगी

बूथ जितने मजबूत होंगे, उतना बेहतरीन होगा मतदाताओं से संवाद

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में खूब जोश भरने का काम किया। बीजेपी के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर शुरू दीवार लेखन अभियान के तहत उन्होंने आज जटाशंकर स्थित श्री विश्वकर्मा भगवान पंचायत मंदिर की दीवार पर भाजपा का चुनाव चिन्ह कमल का फूल बनाया।इसके नीचे स्लोगन लिखा, फिर एक बार मोदी सरकार, इस बार भाजपा चार सौ पार।भाजपा महानगर इकाई की ओर से आयोजित दीवार लेखन अभियान में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान को भी विकसित भारत संकल्प यात्रा की तरह सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना है। लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मतदाताओं से संवाद के कार्यक्रम होने हैं। चुनाव से पूर्व प्रदेश में तीन बड़ी रैलियांहोनी है।आगामी कार्यक्रमों की दिशा में दीवार लेखन अभियान महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। सांसद, विधायक, सभी पंचायत व निकाय प्रतिनिधियों को इसमें पूरी जिम्मेदारी से अपनी भूमिका निभानी होगी। जहां भी स्पेस दिखे वहां कमल का फूल बनाकर दोनों स्लोगन फिर एक बार मोदी सरकार और इस बार लक्ष्य चार सौ पार लिखे जाने चाहिए। किसी की निजी संपत्ति पर लिखने से पूर्व उसकी अनुमति जरूर लें। प्रयास हो कि कोई भी स्पेस स्लोगन से खाली न रहे।मुख्यमंत्री ने चुनाव में सफलता के लिए मतदाताओं से बूथ प्रबंधन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि हमारे बूथ जितने मजबूत होंगे, मतदाताओं से हमारा संवाद उतना बेहतरीन होगा, हमारे प्रत्याशी उतने ही भारी मतों से विजयश्री प्राप्त करेंगे। 2024 में हम सबका एक ही संकल्प होना चाहिए, एक बार फिर मोदी सरकार और भाजपा की सीटों की संख्या चार सौ पार। सीएम योगी ने कहा कि दीवार लेखन अभियान का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली से कर देश को एक नया संकल्प दिया है। विकसित भारत यात्रा की तरह ही यह अभियान फलीभूत हो, इसके लिए सभी को प्राणपण से कार्य करना होगा।मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमें अपनी बात कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। बीते करीब दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने जो कार्य किए हैं, उन्हें जनता करीब से महसूस कर रही है। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से नागरिकों के मन में नया विश्वास पैदा हुआ है। देश–प्रदेश में वैश्विक स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्य हुए हैं। हाइवे, रेलवे और एयर कनेक्टिविटी की मजबूती हुई है। नए एम्स, आईआईटी बने हैं। कई योजनाओं ने नए मानक गढ़े हैं। योजनाओं की सिर्फ घोषणा नहीं हुई है, बल्कि शत प्रतिशत संतृप्तिकरण के प्रयास हुए हैं। अपनी बात रखने के क्रम में मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से फिर एक बार मोदी सरकार और इस बार भाजपा चार सौ पार के नारे भी लगवाए।दीवार लेखन अभियान के अवसर पर मुख्यमंत्री का स्वागत भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अयोध्या में सूट पहनेंगे दरोगा और सिपाही प्राण प्रतिष्ठा के लिए खास ड्रेस तैयार

संवाददाता

लखनऊ। खाकी वर्दी पहनकर सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाली पुलिस अयोध्या में बदली नजर आएगी। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 288 दारोगा और सिपाही सूट–बूट में विशिष्ट अतिथियों की सुरक्षा करेंगे। खास परिधान लखनऊ में तैयार हो रहे हैं। इन पुलिस कर्मियों में ज्यादातर खिलाड़ी हैं, जिन्हें विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है।प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पुलिस के 11,000 से अधिक जवान अलग–अलग स्थानों पर मोर्चा संभालेंगे। इनमें अतिविशिष्ट व विशिष्ट लोगों की सुरक्षा में तैनात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा 288 उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी, आरक्षी व महिला आरक्षी इस बार खास ड्रेस में दिखेंगे। अयोध्या के 106, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर व अमेठी के 50–50 और बाराबंकी के 32 पुलिसकर्मी लिये गए हैं। 23 उपनिरीक्षकों के अलावा शेष मुख्य आरक्षी व आरक्षी शामिल हैं। वीआईपी ड्यूटी के दौरान ये गहरा नीला कोट, आसमानी नीली शर्ट व ग्रे रंग की पैंट पहनेंगे। अधिकतर पुलिसकर्मियों के परिधान तैयार हो चुके हैं।इस विशेष टीम को विभिन्न मानकों के आधार पर चुना गया है। इनमें अधिकतर पुलिसकर्मी विभिन्न प्रकार के खेलों में भी शामिल हैं। इन्हें पुलिस महानिरीक्षक की मौजूदगी में तौर–तरीकों के साथ अच्छे व्यवहार के लिए प्रशिक्षित किया गया है। आईजी अयोध्या रेंज प्रवीण कुमार के मुताबिक लगभग 300 पुलिसकर्मी इस बार कोट–पैंट में वीआईपी ड्यूटी करेंगे। इनके परिधान लगभग तैयार हो गए हैं। इसका खास मकसद भी है। इन्हें विशेष रूप से ट्रेनिंग दी गई है।भविष्य में होने वाले अति विशिष्ट आयोजनों में यह अब प्रणाली लागू रहने की उम्मीद है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पहुँचे हनुमान सेतु, लगाई झाडू

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के सांसद और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आज सुबह लखनऊ में स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर पहुंचे। उन्होंने श्स्वच्छता अभियानश में भाग लिया। वे हनुमान सेतु मंदिर में सुबह पहुंचे और उन्होंने झाडू से फर्श साफ किया एवं फर्श पर गिरे फूल उठाये। हनुमान मंदिर में पूजा की।उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि हनुमान तेहि परसा कर पुनि कीन्ह प्रनाम,राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहाँ बिश्राम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से आहवान किया है कि सभी अपने आस पास के मंदिरों में स्वच्छता के लिए श्रमदान करें। आज लखनऊ में हनुमान सेतु मंदिर में जाकर, स्वच्छ तीर्थ अभियान के अन्तर्गत श्रमदान किया और प्रभु श्रीराम के अनन्य सेवक, हनुमानजी की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अयोध्या स्थित राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले मंदिरों और धार्मिक स्थानों पर सफाई अभियान चलाने का आग्रह किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि इस समारोह में न केवल देश बल्कि पूरी दुनियाभर से लोग भाग लेंगे।

जोन छह में घुस लेते पकड़ा गया नगर निगम कर्मचारी का बाबू

संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम जोन की महिला बाबू नीलम साहू को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने घुस लेते हुए पकड़ा है। बताया जा रहा है कि प्रचार विभाग में तैनात बाबू काम के बदले काफी दिन से पैसे की डिमांड कर रही थी। नगर निगम में आला अधिकारियों को शिकायत करने के बाद भी मामला नहीं बना तो पीड़ित पक्ष ने एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज करा दी। उसके बाद मंगलवार को उसको पैसा दिया गया और टीम ने आकर उसको रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम के साथ वजीरगंज थाने की पुलिस भी मौजूद थी। बताया जा रहा है कि महिला सिपाहियों की मौजूदगी में नीलम साहू को पुलिस ले गई है। हालांकि इस मामले में अभी नगर निगम की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। यहां तक की घटना के बाद नगर निगम के कई अधिकारियों ने फोन उठाना तक बंद कर दिया। इससे पहले एंटी करप्शन की टीम ने 8 हजार रुपए के साथ नगर निगम जोन दो के एक बाबू को पकड़ा था। तब बाबू काम कराने के लिए पीड़ित से 20 हजार रुपए

नयी शिक्षा नीति छात्रों को स्वावलंबी बनाने में सहायक-राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने किया स्व–वित पोषित विद्यालय प्रबन्धक एसोसिएशन के आठवें अधिवेशन का शुभारम्भ

लखनऊ। निजी विद्यालयों के समूह स्व वित्त पोषित विद्यालय प्रबन्धक एसोसिएशन ने अपना आठवां वार्षिक अधिवेशन धूमधाम से मनाया। प्रदेश की राजधानी लखनऊ की राजधानी के अटल बिहारी साइन्टिफिक कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित अधिवेशन के मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री भारत सरकार राजनाथ सिंह ने दीप प्रज्जवलन से शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उप–मुख्यमंत्री, ब्रजेश पाठक, फिक्की के अध्यक्ष नीरज सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी अवनीश सिंह, उमेश द्विवेदी,, पवन सिंह व रामचन्द्र प्रधान आदि उपस्थित थे। अधिवेशन की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने की। उन्होंने अपने सम्बोधन में उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा बोर्ड विद्यालयों के संचालन में आ रही कठिनाइयों से अवगत कराया साथ ही संगठन द्वारा विद्यालयों के हितों में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर अतिथियों ने संगठन की स्मारिका का विमोचन किया। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में विगत पैंतीस से चालीस वर्षों तक सराहनीय कार्य करने वाले प्रबन्धकों, जिसमें सेंट जोसेफ ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स की संस्थापक पुष्पलता अग्रवाल, भारत एकाडमी की संस्थापक सरवन सक्सेना, गिरधारी सिंह इण्टर कालेज के अध्यक्ष विनोद बिहारी वर्मा, नरदेश्वर ग्रुप ऑफ कालेजेस के संस्थापक प्रोफेसर नरेन्द्र मणि त्रिपाठी सहित संगठन के बीस पदाधिकारियों को को स्मृति चिह्न व अंगवस्त्र प्रदान कर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। नयी शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुये राजनाथ सिंह ने कहा कि इससे छात्रों में रटने की प्रवृत्ति से छुटकारा मिलेगा। ये छात्रों के हुनर को पहचान कर उनको स्वावलंबी बनाने में सहायक होगी। साथ ही विद्यालयों के संचालन में आ रही कठिनाइयों के भी प्रभावी समाधान का आश्वासन भी दिया। अधिवेशन के मंच का संचालन राहुल सेन सक्सेना ने किया।

एजेंडा यूपी पर सम्मेलन आज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विभिन्न विचार समूहों और राजनीतिक लोकतांत्रिक दलों व व्यक्तियों द्वारा बनाए एजेंडा यूपी 2023–24 पर 17 जनवरी को दारुलसफा ए ब्लॉक कामन हाल में सम्मेलन होगा। एजेंडा यूपी सम्मेलन में हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, देश में रिक्त 1 करोड़ सरकारी पदों पर अतिशीघ्र भर्ती, दलित–आदिवासी भूमिहीन, गरीबों को आवासीय भूमि व आजीविका के लिए एक एकड़ भूमि, सहकारी खेती को प्रोत्साहन, किसानों के लिए एमएसपी कानून, नए लेबर कोडों की समाप्ति, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, स्तरीय व निशुल्क शिक्षा व स्वास्थ्य की गारंटी तथा इन पर बजट में बढ़ोतरी, नागरिक अधिकारों की रक्षा जैसे आम नागरिकों के जीवन के लिए महत्वपूर्ण सवालों पर विचार विमर्श होगा।

70 साल के बुजुर्ग की गला काटा, मौके पर पहुंचे फोरेंसिक एक्सपर्ट

संवाददाता

बस्ती। जनपद में एक बुजुर्ग की गला काटकर हत्या कर दी गई। सोमवार देर शाम इस वारदात को अंजाम दिया गया है। मामले की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर जा पहुंचा। फोरेंसिक टीम बुलाई गई है। वहीं कई एविडेंस कलेक्ट किए जा रहे हैं। पूरा मामला गौर थाना क्षेत्र के छितहा ग्राम पंचायत के खलगंवा पुरवा का है। यहां 70 वर्षीय रामकुमार यादव पुत्र मातराम घर से 50 मीटर दूर एक झोपड़ी में रहते थे। सोमवार की रात वह झोपड़ी में सो रहे थे। उनकी बहू सावित्री पत्नी जगराम यादव वहीं अलाव सेंक रही थी। उसके अनुसार रात आठ बजे के करीब एक व्यक्ति चादर ओढ़े वहां पहुंचा। जब तक उससे कुछ पूछ पाती, उसने उसे धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद हमलावर झोपड़ी में सो रहे उनके ससुर के पास पहुंचा और उनका किसी धारदार हथियार से गला रेत दिया। जब तक वह शोर मचाकर लोगों को बुलाती, हमलावर वहां से भाग निकला। मौके पर पहुंचे स्वजन और गांव के लोगों ने देखा कि रामकुमार की मृत्यु हो चुकी थी। उनके गले से खून निकल रहा था। घटना की सूचना गौर पुलिस को दी गई।

मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष उपेंद्र मिश्र, चौकी प्रभारी बभनान धर्मेंद्र तिवारी ने शव को कब्जे में ले लिया। घटना के संबंध में दिवंगत की बहू से पूछताछ की। अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि बुजुर्ग की गला रेतकर हत्या की गई है।

फुटवियर शॉप में लगी आग,दुकानदार ने बाहर भागकर बचाई जान

संवाददाता

बहराइच। जनपद में एक फुटवियर की दुकान में मंगलवार दोपहर को भीषण आग लग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। दुकानदार ने बाहर भागकर अपनी जान बचाई। आग लगने की सूचना पाकर पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। हादसा नगर पंचायत मिहिपुरवा के जरही रोड का है। मोतीपुर थाना क्षेत्र के जरही रोड पर अफाक फुटवियर की दुकान है। दुकान में ही वह रुई बेचने का भी काम करते हैं। दुकान में रखे रुई के गट्ठर में मंगलवार दोपहर में कारणों से आग लग गई। आग लगने से बाजार में अफरा तफरी मच गई। पुलिस और दमकल विभाग को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक मोतीपुर दद्दन सिंह और दमकल विभाग के कर्मचारी पहुंच गए।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वत्वाधिकारी में, प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।